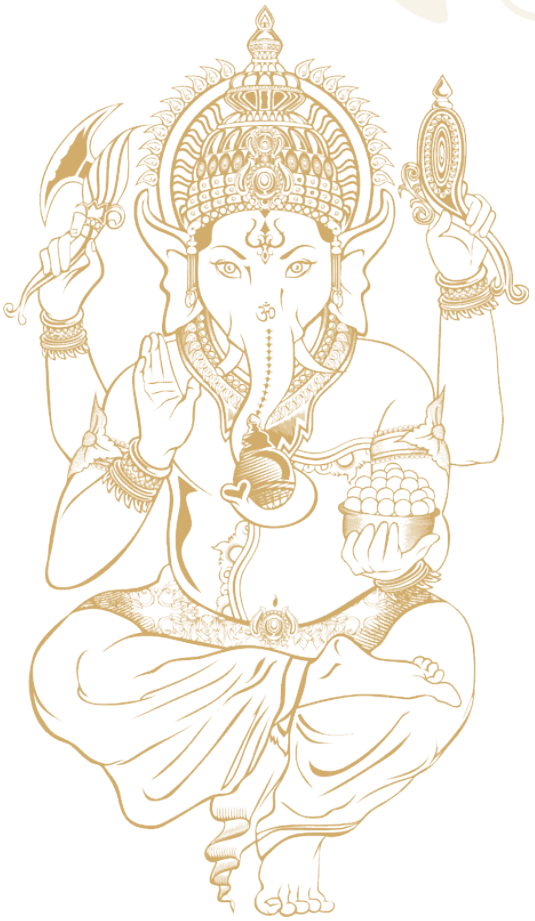

Vivek

01 Feb 2000

06:22 PM

Budaun

Model: web-freekundliweb

Order No: 120903102

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**01/02/2000**
दिन	मंगलवार
जन्म समय	**18:22:00 घंटे**
इष्ट	28:21:25 घटी
स्थान	**Budaun**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	28:02:00 उत्तर
रेखांश	79:07:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:13:32 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	18:08:28 घंटे
वेलान्तर	-00:13:31 घंटे
साम्पातिक काल	02:52:40 घंटे
सूर्योदय	07:01:25 घंटे
सूर्यास्त	17:52:55 घंटे
दिनमान	10:51:30 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	18:06:31 मकर
लग्न के अंश	25:09:29 कर्क

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कर्क - चन्द्र
राशि-स्वामी	**धनु - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**मूल - 2**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	व्याघात
करण	कौलव
गण	राक्षस
योनि	श्वान
नाड़ी	आद्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	मानव
वर्ग	मृग
युँजा	अन्त्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	यो-योगेश
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कुम्भ

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कर्क	25:09:29	310:09:05	आश्लेषा	3	9	चंद्र	बुध	राहु	---
सूर्य			मक	18:06:31	01:00:55	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	बुध	शत्रु राशि
चंद्र			धनु	04:01:51	11:48:40	मूल	2	19	गुरु	केतु	चंद्र	सम राशि
मंगल			कुंभ	28:05:59	00:46:05	पू०भाद्रपद	3	25	शनि	गुरु	शुक्र	सम राशि
बुध			मक	29:37:33	01:44:19	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	शनि	सम राशि
गुरु			मेष	04:09:48	00:07:57	अश्विनी	2	1	मंगल	केतु	चंद्र	मित्र राशि
शुक्र			धनु	15:36:53	01:13:49	पूर्वाषाढ़ा	1	20	गुरु	शुक्र	सूर्य	सम राशि
शनि			मेष	16:49:08	00:02:15	भरणी	2	2	मंगल	शुक्र	चंद्र	नीच राशि
राहु			कर्क	09:51:55	00:00:40	पुष्य	2	8	चंद्र	शनि	शुक्र	शत्रु राशि
केतु			मक	09:51:55	00:00:40	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष			मक	22:40:01	00:03:29	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	सूर्य	---
नेप			मक	10:29:53	00:02:16	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	चंद्र	---
प्लूटो			वृश्चि	18:31:42	00:01:25	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	बुध	---
दशम भाव			मेष	21:46:33	--	भरणी	--	2	मंगल	शुक्र	गुरु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:51:16

लग्न-चलित

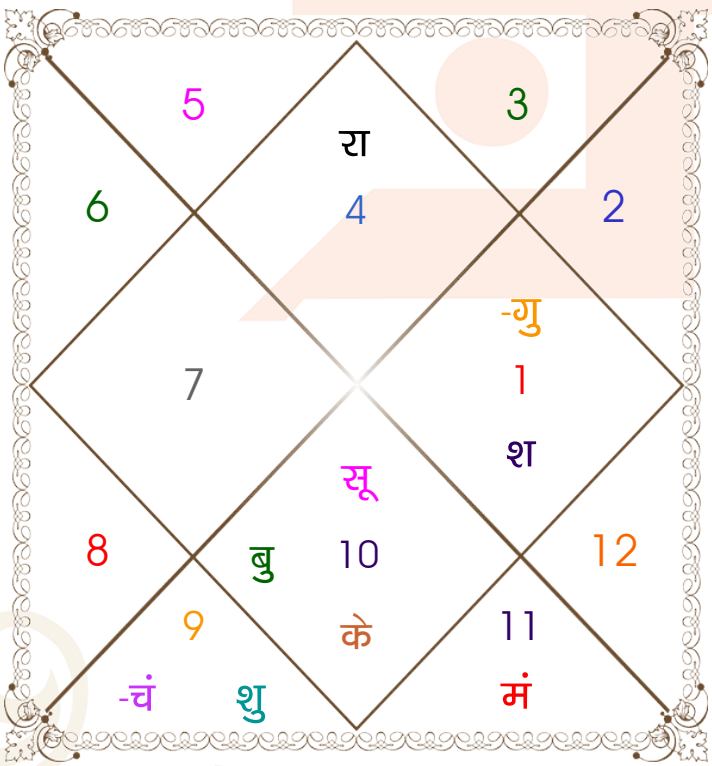

चन्द्र कुंडली

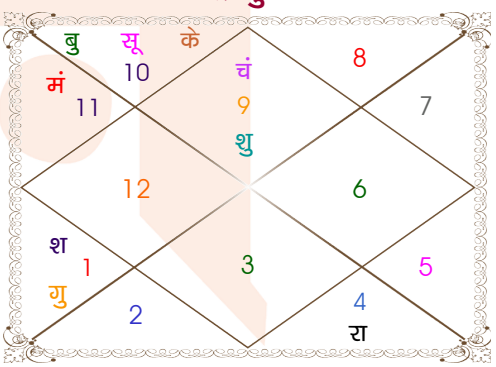

नवमांश कुंडली

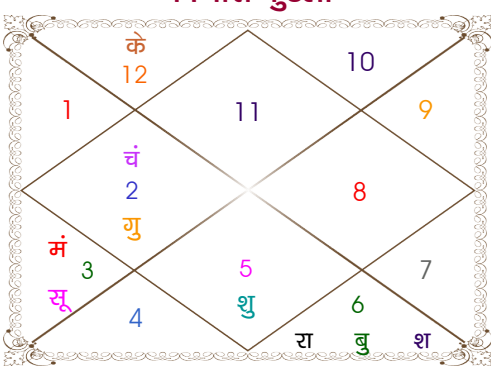

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 4 वर्ष 10 मास 18 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
01/02/2000		20/12/2004		20/12/2024		21/12/2030		20/12/2040	
20/12/2004		20/12/2024		21/12/2030		20/12/2040		21/12/2047	
	00/00/0000	शुक्र	21/04/2008	सूर्य	09/04/2025	चंद्र	21/10/2031	मंगल	18/05/2041
	00/00/0000	सूर्य	21/04/2009	चंद्र	08/10/2025	मंगल	21/05/2032	राहु	06/06/2042
	01/02/2000	चंद्र	21/12/2010	मंगल	13/02/2026	राहु	20/11/2033	गुरु	13/05/2043
चंद्र	24/06/2000	मंगल	20/02/2012	राहु	08/01/2027	गुरु	22/03/2035	शनि	20/06/2044
मंगल	20/11/2000	राहु	19/02/2015	गुरु	27/10/2027	शनि	20/10/2036	बुध	18/06/2045
राहु	08/12/2001	गुरु	20/10/2017	शनि	08/10/2028	बुध	22/03/2038	केतु	14/11/2045
गुरु	14/11/2002	शनि	20/12/2020	बुध	15/08/2029	केतु	21/10/2038	शुक्र	14/01/2047
शनि	24/12/2003	बुध	21/10/2023	केतु	20/12/2029	शुक्र	20/06/2040	सूर्य	22/05/2047
बुध	20/12/2004	केतु	20/12/2024	शुक्र	21/12/2030	सूर्य	20/12/2040	चंद्र	21/12/2047

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
21/12/2047		20/12/2065		20/12/2081		21/12/2100		21/12/2117	
20/12/2065		20/12/2081		21/12/2100		21/12/2117		00/00/0000	
राहु	02/09/2050	गुरु	08/02/2068	शनि	23/12/2084	बुध	20/05/2103	केतु	19/05/2118
गुरु	26/01/2053	शनि	21/08/2070	बुध	02/09/2087	केतु	16/05/2104	शुक्र	20/07/2119
शनि	03/12/2055	बुध	26/11/2072	केतु	11/10/2088	शुक्र	17/03/2107	सूर्य	24/11/2119
बुध	21/06/2058	केतु	02/11/2073	शुक्र	12/12/2091	सूर्य	21/01/2108	चंद्र	02/02/2120
केतु	09/07/2059	शुक्र	03/07/2076	सूर्य	23/11/2092	चंद्र	22/06/2109		00/00/0000
शुक्र	09/07/2062	सूर्य	21/04/2077	चंद्र	24/06/2094	मंगल	19/06/2110		00/00/0000
सूर्य	03/06/2063	चंद्र	21/08/2078	मंगल	03/08/2095	राहु	05/01/2113		00/00/0000
चंद्र	02/12/2064	मंगल	28/07/2079	राहु	09/06/2098	गुरु	13/04/2115		00/00/0000
मंगल	20/12/2065	राहु	20/12/2081	गुरु	21/12/2100	शनि	21/12/2117		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 4 वर्ष 10 मा 17 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म अश्लेषा नक्षत्र के तृतीय चरण में कर्क लग्नोदय काल हुआ है। तत्क्षण मेदिनीय क्षितिज पर मकर लग्नान्तर्गत कुंभ का नवमांश एवं मीन राशि का द्रेष्काण भी उदित था। नक्षत्रीय प्रभाव यह निर्दिष्ट करता है कि कोई अतिरिक्त प्रभाव नहीं तथापि आशा है कि आपको अपनी अच्छी जिन्दगी के लिए जीवन के 34 वें वर्ष तक उत्सुकता पूर्वक प्रतीक्षा करनी होगी। परन्तु आप यदि विश्वासपूर्वक कृतसंकल्पित होकर भली प्रकार अपने कर्मपथ पर प्रयासरत एवं कार्यरत रहें तो समय के पूर्व भी सफल हो सकते हैं।

आपकी राशि प्रभाव से यह स्पष्ट संकेत प्राप्त होता है कि आपकी आय अच्छी होगी परन्तु आपके सम्बंध में सभी लोग जानते है कि आप मध्यपान एवं आनन्द प्राप्त करते हैं। परन्तु यह विन्दु स्पष्ट करता है कि आप किस प्रकार रमणीय एवं मूल्यवान प्रेम सम्बंध से सुरक्षित रह सकेंगे। सम्प्रति आपकी मनोवृति अत्यधिक स्वार्थपूर्ण हैं। आप सदैव अधिक मात्रा में अपने स्वार्थ साधन हेतु धन का व्यय कर सकते हैं। इस दशा में आपकें बृहद् परिवार के साथ मतभिन्नता रहना स्वभाविक है कि आपकी पत्नी के साथ आपका उत्कट प्रेम एवं अनुशासित सन्तान का स्नेह सम्बंध किस प्रकार मधुर बना रह सकेगा।

अतएव आपको सावधानी पूर्वक धन का व्यय करना चाहिए अन्यथा आपका जीवन एवं पारिवारिक सम्बंध स्थापित रहना अस्वाभाविक है।

यह आपके ऊपर निर्भर है कि आप अपनी स्वाभाविक क्षमता के अनुरूप इस महत्वपूर्ण कार्य का सम्पादन कर लाभान्वित हो। आप रूचिकर साहित्य का पठन एवं लेखन कर प्रभावशाली बातचीत करते हैं। आप अन्य लोगों पर इसका समुचित उपयोग कर अपना प्रभाव जमा सकते हैं। यदि आप अन्य लोगों के साथ इस नकारात्मक गुणों का व्यवहार करें तो अन्य लोगों को ऐसा सन्देह हो सकता है कि आप उनके साथ धोखा धड़ी करते हैं। यदि एक वार लोगों की ऐसा धारणा बन गई तो पुनः इसको मिटना दुष्कर कार्य होगा। परिणाम स्वरूप आप अपने व्यवसायिक एवं अन्य व्यवहार लोगों के साथ कर के सफलता प्राप्त नहीं करेंगे।

परन्तु यदि आप अपनी प्रवृति अच्छे कार्यो के अनुरूप कर ले तो आप स्वयं ही नहीं बल्कि सहयोगी बन्धु-बान्धव एवं अतिप्रिय व्यक्ति युक्त आवश्यकता के अनुरूप सुखद जीवन बिता सकते हैं। आपके लिए सुन्दर एवं अनुकूल व्यवसाय प्रवृति के अनुरूप वाणिज्य व्यवसाय हेतु लेखा परीक्षण का कार्य, ट्रेवल्स एजेन्ट्स एवं यानी निर्देशन का कार्य (गाईड का कार्य) सुन्दर एवं अनुकूल है।

आप स्वाभाविक रूप से समर्पित व्यक्ति हैं। आपकी धार्मिक मामले में अभिरूचि है और आपका विकास भी इसी क्षेत्र में होगा। यह गुण आपके सामान्य ज्ञान एवं आपकी शिक्षा द्वारा दर्शनशास्त्र के प्रकाशन से संभव एवं अनुकूल हो सकता है। इसके द्वारा आपको लाभांश प्राप्त होगा।

आपका स्वास्थ्य अनुकूल एवं उत्तम रहेगा। परन्तु यह संभव है कि आप उदर रोग,

जलोदर, एवं गांठ की जोड़ों दर्द से प्रभावित हो सकते हैं। अतः आपको निर्देश है कि आप स्वास्थ्य के सम्बंध में पूर्ण सावधानी बरतें एवं समय-समय पर संयमित जीवन व्यतीत करने के लिए चिकित्सा सम्बंधी जाँच कराते रहें।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में शुक्रवार एवं शनिवार पूर्ण आनन्द प्रदायक नही होगा। मंगलवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन सफलता प्रदायक होगा। बुधवार का दिन चिन्तनीय एवं व्ययकारी होगा। परन्तु रविवार का दिन सचेत रहने योग्य है। आपके लिए अंक 4 एवं 6 अंक भाग्यशाली अनुकूल एवं प्रफ्फुलित करने वाला है। इसके अतिरिक्त अंक 2, 7 एवं 9 अंक निष्क्रिय एवं अंक 3 एवं 5 अंक सर्वथा प्रतिकूल है।

आपका भाग्यशाली रंग सफेद, क्रीम, लाल एवं सफेद रंग है तथा नकारात्मक रंग हरा एवं ब्लू रंग है।